

जाता है पत्रावली  
लोक अदालत के समक्ष उपस्थित रहे।

पत्राकारान उप./अनु./वकील प्राथी/अप्राथी  
उप./अनु./पत्रावली लोक अदालत में पेश  
हुई। पत्राकारान समक्ष की गयी। परन्तु  
राजोभाषा नहीं हुआ। अतः पत्रावली संबंधित  
न्यायालय में वापिस लौटायी जाये। 12/9/10

वाद  
वार्द

12/9/10

पत्रावली पेश हुई। आज पाठासीन जजिकार  
प्रकार जजकारान पर दीक्षा कागों में व्यस्त होवे  
वेकी इस्तमा की जाकर पत्रावली तिनांक-  
...को पेश हो। धाका है। 4/12/10

4/12/10

4.12.10

पत्रावली पेश हुई। आज पाठासीन जजिकार  
प्रकार जजकारान पर दीक्षा कागों में व्यस्त होवे  
वेकी इस्तमा की जाकर पत्रावली तिनांक- 10.2.19  
...को पेश हो। धाका है।

18.2.19

पत्रावली पेश हुई। आज पाठासीन जजिकार  
प्रकार जजकारान पर दीक्षा कागों में व्यस्त होवे  
वेकी इस्तमा की जाकर पत्रावली तिनांक- 27.5.19  
...को पेश हो। धाका है।

28/5

पत्रावली पेश हुई। आज पाठासीन जजिकार  
प्रकार जजकारान पर दीक्षा कागों में व्यस्त होवे  
वेकी इस्तमा की जाकर पत्रावली तिनांक- 5/8/19  
...को पेश हो। धाका है।

5/8

पत्रावली पेश हुई। आज पाठासीन जजिकार  
प्रकार जजकारान पर दीक्षा कागों में व्यस्त होवे  
वेकी इस्तमा की जाकर पत्रावली तिनांक- 22/10/19  
...को पेश हो। धाका है।

22/10/19

पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण उप  
जडी। न्यायालय समय में वाद-वाच  
अवाजे लडाई लडाई लेकिन कोई उपस्थित  
नही हुआ। पत्रावली अदालत घाबरी उदक  
पेशकी से शारिज कि जाती हैं। पर  
पेशक शुभार लेकर न  
से कास की जाकर अदालत दफ्तार में

रा.मु.द. 230-3-10-5-00,000 प्रपत्र

